

## भारत-लथुआनया संबंध

### प्रलमिस के लयि:

कलेपेडा बंदरगाह, [बालटकि देश](#), [सागरमाला परयोजना](#), [भारत का ITEC कार्यक्रम](#), लथुआनया के पड़ोसी देश

### मेन्स के लयि:

भारत-लथुआनया संबंधों के प्रमुख पहलू

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के पत्तन, पोत परविहन और जलमारग राज्य मंत्री और [लथुआनया](#) गणराज्य के वदिश मंत्रालय में उप मंत्री ने भारत व लथुआनया के बीच समुद्री द्वपिक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लयि नई दलिली में बैठक की।

## बैठक के मुख्य बदि क्या हैं?

- वनियिस में रेज़डिंट मशिन का उदघाटन: वनियिस में भारत के रेज़डिंट मशिन के उदघाटन की सराहना की गई, इसे लथुआनया के साथ द्वपिक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लयि भारत की प्रतबिद्धता की पुष्टि करने वाला एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया गया।
- द्वपिक्षीय व्यापार वृद्धि: भारत ने वत्तीय वर्ष 2022-23 तक 472 मलियन अमेरिकी डॉलर की नरितर वृद्धि का हवाला देते हुए द्वपिक्षीय व्यापार के सकारात्मक प्रकषेपवकर पर ज़ोर दिया, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग में नरितर वृद्धि का संकेत है।
- पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर सहयोग और कलेपेडा पोर्ट के लाभ: चर्चा सहयोग के अवसरों की खोज, [बंदरगाह बुनयादी ढाँचे के विकास](#) में भारत की वशिषजज्ञता का लाभ उठाने पर केंद्रति थी।
  - इस सहयोग का उद्देश्य पूरवी यूरोप में महत्त्वपूर्ण औद्योगिकि कषेत्रों के प्रवेश द्वार के रूप में लथुआनया की रगनीतिकि स्थतिकि लाभ उठाना है।
  - चर्चा का केंद्र बदि कलेपेडा बंदरगाह के वशिषिट फायदों पर आधारति था, वशिष रूप से इसकी वर्ष भर बर्फ मुक्त स्थतिकि पर।
    - कंटेनर ट्रांसशपिमेंट के लयि अग्रणी [बालटकि](#) बंदरगाह के रूप में यह पूरवी यूरोप के प्रमुख औद्योगिकि कषेत्रों के लयि लाभप्रद भूमिसंपर्क का दावा करते हुए व्यापार को सुवधिजनक बनाने में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।
- वविधि नविश अवसर: भारत ने व्यापक आर्थिक साझेदारी और सत्त्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोर्ट आधुनिकिकरण (PPP), पोर्ट कनेक्टिविटी, तटीय शपिगि, [समुद्री प्रौद्योगिकि](#), [सागरमाला परयोजना](#) और [डीकार्बोनाइज़ेशन पहल](#) सहति वभिन्नि कषेत्रों में लथुआनया के लयि नविश के अवसरों की एक शृंखला प्रस्तुत की।



## भारत-लथुआनिया संबंधों के प्रमुख पहलू क्या हैं?

### ■ ऐतिहासिक संबंध

- भाषायी समानताएँ: लथुआनियाई और **संस्कृत** भाषाएँ, भाषायी समानताएँ साझा करती हैं, जो प्राचीन संबंधों का संकेत हैं।
  - पूर्व-ईसाई लथुआनिया में प्रकृति की पूजा की जाती थी और वे देवताओं की त्रिमूर्ति- **परकुनास, पैटर्मिपास** एवं **पकिओलसि** का सम्मान करते थे।
- बौद्धिक आदान-प्रदान: 19वीं सदी के दार्शनिक **वदिनास** ने वेदांत से प्रेरित एक दार्शनिक प्रणाली का निर्माण करते हुए **लथुआनियाई** और **हिंदू आध्यात्मिक संस्कृत** के बीच समानताएँ बनाईं।
  - **एंटाणास पोस्का** और **माटस सालसयिस** जैसे लथुआनियाई यात्रियों ने 1930 और 1940 के दशक में संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति को गहराई से जाना।
  - 1970 के दशक में **संस्कृत, वनियिस विश्वविद्यालय के शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गई**, जिससे भारत और लथुआनिया के बीच शैक्षणिक संबंधों को बढ़ावा मिला।

### ■ राजनीतिक संबंध:

- मान्यता: भारत ने वर्ष **1991** में **USSR** से **लथुआनिया की स्वतंत्रता** को स्वीकार किया तथा वर्ष **1992** में राजनयिक संबंध स्थापित किये।
- दूतावास एवं वाणजिय दूतावास: लथुआनिया ने वर्ष 2008 में नई दिल्ली में अपना दूतावास स्थापित किया तथा वर्तमान में भारत में इसके तीन मानद वाणजिय दूत हैं।
  - भारत का एक मानद वाणजिय दूत वर्ष 2014 से वनियिस में कार्य कर रहा है।
- भारत-लथुआनिया फोरम: इसकी शुरुआत वर्ष 2010 में हुई, जो संस्कृति, शिक्षा, व्यवसाय तथा विज्ञान को शामिल करते हुए बहुआयामी संबंधों को बढ़ावा देता है।

### ■ व्यापार गतिशीलता:

- लथुआनिया से प्रमुख भारतीय आयात: सब्जियाँ, लकड़ी तथा लकड़ी से निर्मित वस्तुएँ, कपड़ा, वदियुत मशीनरी और उपकरण, लोहा व इस्पात, ऑप्टिकल, फोटोग्राफिक एवं मापने के उपकरण।
- लथुआनिया को प्रमुख भारतीय निर्यात: परमाणु बॉयलर और रिएक्टर, भेषजीय पदार्थ (Pharmaceutical Products), मछली, कार्बनिक रसायन, तंबाकू एवं निर्मित तंबाकू, कपड़ा, लोहा और इस्पात।

### ■ सांस्कृतिक सहभागिता

- योग तथा आध्यात्मिक रुचि: लथुआनियाई लोग भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, विशेषकर योग में गहरी रुचि रखते हैं। लथुआनिया में **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस** को उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

- भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (ITEC): 400 से अधिक लिथुआनियाई नामांकित आवेदकों ने भारत के ITEC कार्यक्रम के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लिया, जिससे परस्पर वदिवत्ता एवं सहयोग को बढ़ावा मिला ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-lithuania-relations>

